फिलिप्स का तूफानी सैकड़ा और डफी के चौके से जीता न्यूजीलैंड

न्यूजीलैण्ड ने भारत को चौथे टी-20 में 87 रनों से किया पराजित



ऑकलैंड, ग्लेन फिलिप्स के तूफानी शतक और तेज गेंदबाज जैकब डफी की घातक गेंदबाजी चार विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चौथे मुकाबले में शुक्रवार को यहां भारत को 87 रन से करारी शिकस्त दी भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुकी है। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने श्रृंखला में हार का अंतर 1-3 कर दिया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि माइकल ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 259 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में भारतीय टीम अतिरिक्त उछाल वाली पिच पर नौ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज डफी ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन (चार) और ईशान किशन (शून्य) को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने पहले ओवर के बाद दो विकेट पर महज चार रन बनाए थे। इस शुरुआती झटके से टीम अंत तक नहीं उबर सकी। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (22) और अभिषेक शर्मा (27) के बीच 46 रन की साझेदारी सबसे बड़ी रही। यह भारतीय बल्लेबाजी की नाकामी को बयां करने के लिए काफी थी। आमतौर पर आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक इस बार लय में नहीं दिखे। वह मैथ्यू फिशर की गेंद पर कवर में मिचेल सैंटनर को कैच थमा बैठे अय्यर ने एडम मिल्ने की गेंद पर जगह बनाकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन 143 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद उनके बल्ले को छकाती हुई सीधे स्टंप पर जा लगी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले के बाद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारत ने पावरप्ले में चार विकेट पर 61 रन बनाए। नमन धीर ने दो छक्कों और दो चौकों की मदद से 13 गेंदों में 28 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही भारत की हार लगभग तय हो गई। तिलक वर्मा ने 35 गेंदों में 35 रन बनाकर टीम को ऑलआउट होने से बचाया। प्रिंस यादव 17 गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए केवल 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजी की कलई खोल दी टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल को तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद फिलिप्स और फिन एलन ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। एलन और बेवन जैकब्स के जल्दी-जल्दी आउट होने से न्यूजीलैंड की रन गति कुछ धीमी पड़ती दिख रही थी, लेकिन फिलिप्स और ब्रेसवेल ने यहां से पारी का रुख बदल दिया। फिलिप्स ने प्रिंस यादव के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में एक छक्का और तीन चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने नीतिश कुमार रेड्डी को भी निशाने पर लिया। 31 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने के बाद इस 29 वर्षीय बल्लेबाज ने 16वें ओवर में रेड्डी की गेंदों पर एक चौका और चार छक्के जड़कर 32 रन बटोरे। ब्रेसवेल भी दूसरे छोर से भारतीय गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के एक ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा। ब्रेसवेल ने महज 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत की ओर से मयंक यादव सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे। उन्होंने 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को परेशान किया। ब्रेसवेल ने हालांकि उनकी तेज गेंदों का भी बखूबी सामना किया और फ्लिक तथा स्कूप शॉट के जरिए लगातार दो छक्के लगाकर गेंदबाजी कं आंकड़े खराब किये। अर्धशतक पूरा करने के बाद ब्रेसवेल को प्रिंस ने पगबाधा आउट किया फिलिप्स और ब्रेसवेल की आतिशी बल्लेबाजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 11वें ओवर में चार विकेट पर 112 रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की टीम 17.2 ओवर में पांच विकेट पर 227 रन तक पहुंच गई। फिलिप्स ने तेज गेंदबाज अर्शदीप की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर महज 46 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। उन्होंने अर्धशतक से शतक तक पहुंचने के लिए सिर्फ 15 गेंदें खेलीं। शतक पूरा करने के बाद फिलिप्स को रेड्डी ने आउट किया, लेकिन तब तक न्यूजीलैंड मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था। कीवी बल्लेबाजों ने अंतिम पांच ओवरों में 85 रन बटोरकर भारत के सामने 260 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था।



विश्व कुश्ती में मनीषा ने रचा इतिहास



अस्ताना/ मनीषा भानवाला ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनने का गौरव हासिल किया। वह सुशील कुमार के बाद विश्व चैंपियन बनने वाली देश की दूसरी पहलवान हैं। सुशील ने 2010 में पुरुषों के 66 किग्रा वर्ग का खिताब जीता था। मनीषा ने महिलाओं के 59 किग्रा वर्ग के फाइनल में अमेरिका की अबीगैल नेट्टे को 8-6 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वह एक समय मुकाबले में 0-6 से पिछड़ रही थीं। उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए 'पैन अमेरिकन' चैंपियन को शिकस्त देकर भारतीय कुश्ती में महिला विश्व चैंपियन के लंबे इंतजार को खत्म कर दिया। मनीषा की इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय महिला कुश्ती के लिए यह विश्व चैंपियनशिप यादगार बन गई। पहली बार इस प्रतियोगिता के एक ही आयोजन में तीन भारतीय महिला पहलवानों ने स्वर्ण पदक के मुकाबलों में जगह बनाई। नीलम सिरोही (50 किग्रा) और काजल धोचक (76 किग्रा) को बृहस्पतिवार को अपने-अपने फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि तनु शर्मा ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले मनीषा ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान की अल्तिन शगायेवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी

सिंधू हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं



सारब्रकेन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जर्मनी की अमाली शुल्ज को सीधे गेम में हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधू के सामने अब सेमीफाइनल में हमवतन अनमोल खरब की चुनौती होगी। अनमोल ने एक कड़े मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को तीन गेम में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ियों के आमने-सामने होने से भारत का फाइनल में एक स्थान पक्का हो गया है। सिंधू और अनमोल दोनों की नजरें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने पर होंगी पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने हाल में फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के बाद यहां भी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने शुल्ज को महज 27 मिनट में 21-12, 21-10 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधू पूरे मुकाबले में हावी रहीं और कुल खेले गए 64 अंकों में से 42 अपने नाम किए। उन्होंने एक समय लगातार छह अंक जीते, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक जीतने का रहा। भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में दमदार शुरुआत की और अपनी बढ़त कायम रखते हुए इसे 21-12 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को बरकरार रखा और शुल्ज को वापसी का कोई मौका दिए बिना 21-10 से गेम और मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले अनमोल ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उन्नति हुड्डा को 21-17, 18-21, 21-16 से शिकस्त दी।

पाक ने भारत को हराया

कोवलून, भारत को हांगकांग इंटरनेशनल सिक्सेस के मैच में शुक्रवार को पाकिस्तान ने चार विकेट से हराया पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर भारत छह ओवर में पांच विकेट पर 88 रन ही बना सका । शशांक सिंह ने 11 गेंद में 40 रन बनाये। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में दो विकेट पर 92 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज ख्वाजा नफे (12 गेंद में 41) और अब्बास अफरीदी (आठ गेंद में 35) ने 13 गेंद में 59 रन की साझेदारी की । अफरीदी ने पहले ही ओवर में कृणाल पंड्या को पांच छक्के लगाये । इससे पहले भारत को राहुल त्रिपाठी (नौ) और नीतिश राणा (19) अच्छी शुरूआत नहीं दे सके। कप्तान पंड्या और राहुल तेवतिया भी नाकाम रहे । पहले मैच में यूएई से हारी पाकिस्तानी टीम अब ग्रुप सी में शीर्ष पर है ।

भारत ने लगाया जीत का चौका, जापान को हराया



जालंधर, पांच बार की चैंपियन भारतीय हॉकी टीम ने स्ट्राइकर अभिषेक नैन के दो गोल की मदद से शुक्रवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 4-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती दो मुकाबलों में बांग्लादेश को 13-0 से रौंदा था जबकि चीन को 5-2 से हराया था। वहीं जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी भारत की ओर से अभिषेक (11वें और 51वें मिनट) ने दो मैदानी गोल किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (47वें मिनट) ने टीम को मिले एकमात्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि विष्णुकांत सिंह (56वें मिनट) ने भी मैदानी गोल दागा। जापान के लिए एकमात्र गोल शोता यामादा (15वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय टीम का अगला मुकाबला रविवार को मलेशिया से होगा। भारत ने हाल में आइची-नागोया एशियाई खेलों में मलेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं जापान का सामना चीन से होगा। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत धीमी की। जापान ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से बाहर चला गया। भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी साफ नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने अधिकांश जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। मनदीप सिंह की गैरमौजूदगी में भारतीय फॉरवर्ड लाइन भी प्रभावी नजर नहीं आई। मेजबान टीम शुरुआती मिनटों में गोल करने के पर्याप्त मौके नहीं बना सकी।

पडिक्कल -सिराज की वापसी से भारत ए मजबूत

क्राइस्टचर्च, देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी से भारत ए को मजबूती मिली है और वह शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट में न्यूजीलैंड ए को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय खिलाड़ियों को चार दिवसीय मैच से तैयार होने में मदद मिलेगी। पडिक्कल निस्संदेह अब तक भारत ए के लिए सबसे सकारात्मक पहलू रहे हैं, जिन्होंने पहले मैच में शतक बनाकर टीम को वापसी दिलाई थी। भारत ए की टीम पहली पारी में 39.3 ओवर में केवल 113 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद बाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज पडिक्कल ने शानदार 199 रन बनाकर टीम को दूसरी पारी में 516 रन तक पहुंचाने में मदद की

वंशराज जलोटा बने एकल चैंपियन

आज खेल समाचार सेवा



लखनऊ, । शीर्ष वरीय यूपी के वंशराज जलोटा ने ब्रज मोहन लाल तिवारी मेमोरियल आइटा चैंपियनशिप सीरीज अंडर-18 टेनिस टूर्नामेंट में एकल की विजेता ट्रॉफी बेहतर खेल की बदौलत अपने नाम कर ली। उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा लामार्टिनियर कॉलेज स्थित लामार्टिनियर लॉन टेनिस फैसिलिटी में खेले गए एकल फाइनल में वंशराज जलोटा ने तीसरी वरीय अनुरुद्ध कुमार को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। यह मैच काफी रोमांचक रहा जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अहम मौकों पर वंशराज ने बेहतर नियंत्रण और निरंतरता का प्रदर्शन किया। पहले सेट में अनुरुद्ध ने उन्हें कड़ी चुनौती दी, हालांकि वंशराज ने संयमित खेल दिखाते हुए 6-4 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी अनुरुद्ध ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन वंशराज ने अपनी सर्विस और आक्रामक खेल के दम पर उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। उन्होंने दूसरे सेट में 6-2 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल अपने नाम कर लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि ओपी मिश्रा व विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र तिवारी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इससे पूर्व एसडीएस से पवन सागर व दीपक पाठक ने अतिथियों का स्वागत किया।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

ढाका ।बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच ढाका में स्थित शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 79 रन बनाए हैं। गेंदबाजों के दम पर वेस्टइंडीज ने इस मुकाबले में शिकंजा कस लिया है। शुक्रवार को वेस्टइंडीज की पूरी टीम पहली पारी में 245 रन बनाकर ऑलआउट हुई। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश ने 27 रनों की मामूली बढ़त हासिल की। कैरेबियाई टीम की तरफ से जॉन कैंपबेल और टैगेनारिन चंद्रपॉल ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैंपबेल ने 54 रन बनाए, जबकि चंद्रपॉल ने 56 रनों का योगदान दिया। जस्टिन ग्रीव्स ने ने 46 रन बनाए तो कप्तान रोस्टन चेज 43 रन बनाकर नाबाद रहे।

जोकोविच ने फेडरर की बराबरी करने का मौका गंवाया



बासेल,/ नोवाक जोकोविच ने स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट में हारने के कारण स्विट्जरलैंड के दिग्गज रोजर फेडरर के करियर के 103 खिताब की बराबरी करने का मौका गंवा दिया। जोकोविच के पास फेडरर के गृहनगर बासेल में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका था लेकिन वह विश्व में 47वें नंबर के जर्मन खिलाड़ी जान-लेनार्ड स्ट्रफ से 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन जोकोविच ने इस महीने बीजिंग में अपना 102वां टूर खिताब जीता था। एटीपी टूर में सर्वाधिक 109 खिताब जीतने का रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम पर है। उनके बाद फेडरर और जोकोविच का नंबर आता है। शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन भी अपना आठवां करियर खिताब नहीं जीत पाएंगे। उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले विश्व में 222वीं रैंकिंग के स्विस खिलाड़ी जेरोम किम से 6-3, 6-7 (4), 7-6 (1) से हार का सामना करना पड़ा। किम का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा, जिन्होंने डेनियल अल्टमायर को 7-5, 6-4 से हराया। इससे पहले दूसरी वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को एक कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया। क्वार्टरफाइनल में फिल्स का सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने डेनिस शापोवालोव पर 6-4, 6-3 से आसान जीत दर्ज की।

पुलिस एथलेटिक्स में मेरठ का दबदबा बरकरार



आज खेल समाचार सेवा

लखनऊ -35वीं वाहिनी पीएसी महानगर लखनऊ के शहीद चन्द्रशेखर आजाद क्रीड़ा संकुल में चल रही 74वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर (एथलेटिक्स एवं साइकिलिंग) प्रतियोगिता- के चौथे दिन खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। आज के दिन का सबसे बड़ा मुख्य आकर्षण महिला वर्ग की हेप्टाथलान स्पर्धा रही, जिसमें वाराणसी जोन की ऋत्विका सिंह ने 4570 अंकों के साथ नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वाराणसी जोन की ही रिया उपाध्याय दूसरे और मेरठ जोन की कामिनी तीसरे स्थान पर रहीं। आज के अधिकांश स्पर्धाओं में मेरठ जोन का एकछत्र दबदबा देखने को मिला, जहाँ उनके खिलाड़ियों ने कई विधाओं में शीर्ष स्थान हासिल किए। महिला वर्ग की अन्य प्रतियोगिताओं में भी मेरठ और आगरा के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 5000 मीटर महिला दौड़ फाइनल में आगरा जोन की मनोराम ने प्रथम स्थान पाया, जबकि लखनऊ जोन की नीतू कुमारी दूसरे और प्रयागराज जोन की शिल्पी यादव तीसरे स्थान पर रहीं। 80 किलोमीटर साइकिलिंग महिला फाइनल के तीनों स्थानों पर मेरठ जोन का पूरा कब्जा रहा, जिसमें बुलबुल पहले, आरती दूसरे और रुचिका तीसरे स्थान पर रहीं। महिला भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) फाइनल में मेरठ जोन की मन्नू ने 41.60 मीटर थ्रो के साथ प्रथम और मेरठ की ही आरती ने दूसरा स्थान हासिल किया। 1500 मीटर महिला फाइनल में मेरठ जोन की काजल शर्मा ने पहला, लखनऊ की स्नेहलता ने दूसरा और प्रयागराज की प्रेमलता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर महिला फाइनल में मेरठ जोन की प्रियंका सिकरवार प्रथम और योगेश कुमारी द्वितीय रहीं, जबकि वाराणसी की सुषमा यादव तीसरे स्थान पर रहीं।

लखनऊ के अश्वनी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

आज खेल समाचार सेवा



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के खेल जगत के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि नेशनल इंटर कॉलेज, लखनऊ में कार्यरत शारीरिक शिक्षा के सहायक अध्यापक अश्वनी कुमार यादव को 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर-17 बालक वर्ग सत्र 2026-27 के लिए टेक्निकल डायरेक्टर (तकनीकी निदेशक) नियुक्त किया गया है। यह राष्ट्रीय स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2 नवंबर से 6 नवंबर तक वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलिया, उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में अश्वनी कुमार यादव को प्रतियोगिता के तकनीकी संचालन, मैचों के सुचारु आयोजन तथा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रतियोगिता संपन्न कराने से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। अश्वनी कुमार यादव की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से लखनऊ के खेल एवं शिक्षा जगत में खुशी की लहर है। उनकी नियुक्ति को जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ के मास्टर तैराकों का हुआ सम्मान



आज खेल समाचार सेवा

लखनऊ। उम्र को अपनी राह की बाधा न बनने देते हुए लखनऊ के मास्टर तैराकों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और खेल के प्रति जुनून का परिचय दिया। इन तैराकों ने बेंगलुरु में तक हुई द्वितीय एशियन मास्टर्स स्वीमिंग चैंपियनशिप में दम दिखाते हुए एक स्वर्ण, दो रजत व सात कांस्य पदक सहित दस पदक जीतते हुए शहर का गौरव बढ़ाया। इन खिलाड़ियों के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले अन्य वरिष्ठ तैराकों को भी सम्मानित किया गया। लखनऊ जिला स्वीमिंग एसोसिएशन की ओर से अवध जिमखाना क्लब में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की गई। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डॉ. सैयद रफत जुबैर रिजवी ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि मास्टर तैराकों ने साबित किया है कि खेल के प्रति लगन और नियमित अभ्यास से किसी भी उम्र में उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनका प्रदर्शन युवाओं के साथ-साथ उन लोगों के लिए भी प्रेरणा है, जो उम्र बढ़ने के साथ खेल से दूरी बना लेते हैं। डॉ. सैयद रफत जुबैर रिजवी ने कहा कि लखनऊ के वरिष्ठ तैराकों की यह उपलब्धि शहर के खेल जगत के लिए गर्व की बात है।